

Adiwasi Arts & Commerce College Santrampur

Department Of Hindi

Departmental Activities

2021-2022

आंतर कॉलेज व्याख्यान

24, जून 2021 गुरुवार सुबह 9.30 बजे आंतर कॉलेज व्याख्यान श्रेणी अंतर्गत हिन्दी विभाग द्वारा आर्ट्स कॉलेज, मालवण हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. जिलेदारसिंह राजपूत का ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया था। तृतीय वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 5 के पाठ्यक्रम में शामिल प्रश्नपत्र कोर- 301 'भारतीय काव्यशास्त्र' विषय पर गहन विश्लेषण करते हुए छात्रों का ज्ञानार्जन किया था। ऑनलाइन कार्यक्रम में सबसे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने अतिथि वक्ता का स्वागत परिचय कराया था। समग्र कार्यक्रम का संचालन डॉ. आई. एल. राठवा, हिन्दी विभागाध्यक्ष, आदिवासी आर्ट्स एण्ड कोमर्स कॉलेज, संतरामपुरने किया था। आभार प्रस्ताव विझिटिंग प्रा. कोकिला खांट ने रखा था।




आंतर विश्व विद्यालय विशेष व्याख्यान

30 जून 2021 बुधवार को हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित आंतर विश्व विद्यालय विशेष व्याख्यान श्रेणी अंतर्गत डॉ. जगन्नाथ पंडित, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आर्ट्स एण्ड कोमर्स कॉलेज, आंकलाव (गुजरात विश्व विद्यालय) जि. आणंद ने 'जनचेतना के कालजयी रचनाकार नागार्जुन' क्रांतिकारी कवि पर अपना विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किया था। इस व्याख्यान में न केवल हमारे महाविद्यालय के छात्र बल्कि महाविद्यालय के स्टाफ साथ पास-पड़ोस के कॉलेज के स्टाफ मित्र भी जुड़े थे। मसलन, आर्ट्स कॉलेज, मुनपुर के प्राचार्य डॉ. महेश मेहता, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सुशीला व्यास तथा आर्ट्स एण्ड सायन्स कॉलेज, गोधरा से प्राचार्य डॉ. महेश पटेल भी स्टाफ परिवार सहित जुड़े थे। पथमतः महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय परमार ने अतिथि वक्ता का स्वागत परिचय कराया था। समग्र कार्यक्रम का सुचारु संचालन डॉ. आई. एल. राठवा, हिन्दी विभागाध्यक्ष, आदिवासी आर्ट्स एण्ड कोमर्स कॉलेज, संतरामपुरने किया था। आभार प्रस्ताव आर्ट्स एण्ड सायन्स कॉलेज, गोधरा के प्राचार्य डॉ. महेश पटेल जो कि डॉ. जगन्नाथ पंडित के पूर्व छात्र रहे थे, ने किया था।




IQAC
आदिवासी आर्ट्स एण्ड कोमर्स
कॉलेज, संतरामपुर





































हिन्दी-विभाग द्वारा आयोजित
आंतर विश्व विद्यालय विशेष व्याख्यान श्रेणी
“जनचेतना के कालजयी रचनाकार नागार्जुन”



दिनांक: 30/06/2021, बुधवार समय: सुबह - 10:30 बजे
on Facebook & YouTube LIVE



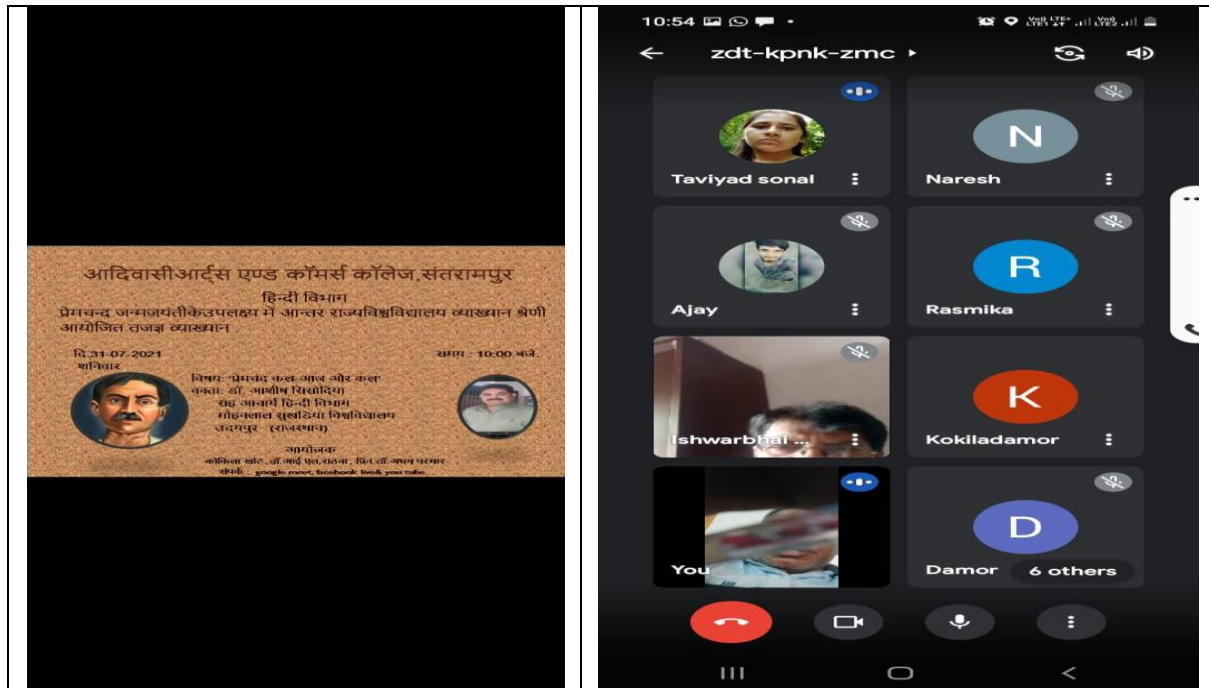
वक्ता: डॉ. जगन्नाथ पंडित
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
आर्ट्स एण्ड कोमर्स कॉलेज, आंकलाव, जि.आणंद

About this call		
People		Information
	Dr. D. H. Chaudhari	 
	Dr. Hitesh Ahir उजास	 
	Dr. Shankar Prajapati	 
	heena bhadashiya	 
	Ishwarbhai Latubhai Rathava	 
	Jayesh Chauhan	 
	Kamini Dashora	 
	Kokila Damor	 
	Malini Gautam	 
	Manhar Charpot	 
	nehal patel	 
	NITIN PANDYA	 

31 जुलाई प्रेमचंद जन्म जयंति के उपलक्ष्य में

आंतर राज्य विश्वविद्यालय व्याख्यान

31 जुलाई 2021 शुक्रवार प्रेमचन्द जन्म जयंति के उपलक्ष्य में हिन्दी विभाग द्वारा 'प्रेमचंद कल आज और कल' विषय पर आयोजित आंतर राज्य विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रेणी अंतर्गत डॉ. आशीष सिसोदिया सह आचार्य, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर (राजस्थान) का व्याख्यान संपन्न हुआ। सबसे पहले प्राचार्य महोदय डॉ. अभय परमार ने अतिथि वक्ता का शब्दों से स्वागत करने के पश्चात परिचय कराया था। डॉ. आशीषजी ने प्रेमचन्द के जीवन से लेकर कवन तक की यात्रा का बखूबी परिचय प्रतिभागियों को कराया था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आई. एल. राठवा ने किया था। धन्यवाद ज्ञापन विझिटिंग प्रा. कोकिला खांट ने किया था।



ऑनलाइन वाचन प्रतियोगिता

21 जुलाई 2021 बुधवार को हिन्दी विभाग द्वारा ऑनलाइन वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस वाचन प्रतियोगिता में न सिर्फ हिन्दी विषय के छात्र बल्कि समग्र महाविद्यालय के विभिन्न विषयों के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया था।

आदिवासी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कालेज

संत रामपुर

हिन्दी-विभाग आयोजित

वाचन प्रतियोगिता

GOOGLE MEET आयोजक: कोकिला खांट
प्रा. डॉ. आई.एल. राठवा,
प्रि. डॉ. अभय परमार

दि. 21-07-2021
बुधवार
सुबह: 10:00 बजे

People	Info	People	Info	People	Info
Sevak Krupali		R.M. Shaikh		Neha Kishori	
Shakuntala S. BALAT		RajnishSingh Tomar		Nita Bhill	
Sharmistha Bhagi		RajnishSingh Tomar		Nitaben Joshi	
Shital Sangodiya		Ramesh Parmar		NITIN PANDYA	
SMT. C. R. GARDI ART...		Rashmika Patanvadiya		Parmar Mitul	
Sumitra Sefot		Roshni Damor		Parul Dani	
Sunil Parmar		Rosni Bhuriya		Parul Singh	
sushila vyas		Rutvik Barjod		Patel Jignesh	
TABKESHAIR PARGI		Sachin Chaudhary		Piyali B Kavya B	
Tejal Parmar		Sangada family		Pooja Damor	
Tinu Gadla		SD Damor		Pravin Machhi	
Viju Parmar		Sevak Krupali		Prithesh Bhuriya	
Viral Padhiyar				Prof Ishak Patel	
				About this call	
Machhi Ankit					
Mahendra Taviyad		Harshida Rahevar		Dilip Vaghela	
Malek Tanver		Hetal Pargi		Dr Manukumar Sarang	
Mamta Ray		Ishwarbhai Latubhai R...		Dr. Abhay Parmar	
meena khant		Jaya Gohil		Dr. RAJENDRAKUMAR...	
Megha Panchal		Kamini Dashora		Dr. Harshada Shah	
Mehejbeen Saiyed		Kaptnmayur		Dr. Nareesh Vaghela	
Mohan shig Malivad		khant rakeshbhai		Dr. Nareesh Vanzara	
Moti Damor		Khant Sonalben		Dr. Shankar Prajapati	
Mr. Hitesh Machhi		Khant Varshaben		Ganapat Patel	
n. g official		Kinjalben Damor		Ganga Baria	
Narsinh Garasiya		Komu chopda 261		Gautama Parmar	
mayana valu		Isariben vasava		Grishama Solanki	
				Harsh Ghona	

ब्रिज कोर्ष – अक्तुबर 2021

दिनांक 21 से लेकर 23 अक्तुबर 2021 तक सेमेस्टर-1 प्रथम वर्ष बी.ए. हिन्दी में प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए ब्रिज कोर्ष का आयोजन किया गया था। इसमें हिन्दी विषय की प्राथमिक जानकारी हेतु वस्तुनिष्ठ सवालों से सम्बन्धित टेस्ट लिया गया था।




10 जनवरी विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान

आदिवासी आर्ट्स एण्ड कोमर्स कॉलेज एवं श्रीमती कुसुमबेन डामोर MSW कॉलेज, संतरामपुर के संयुक्त तत्वावधान में 10 जनवरी 2022 शनिवार को 'विश्व हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ था। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के तौर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आई. एल. राठवा उपस्थित रहे थे। डॉ. राठवा ने उपस्थित अध्यापक गण एवं छात्रों को वैश्विक फलक सांप्रत समय में हिन्दी भाषा की दशा एवं दिशा को बखूबी चिन्हित करते हुए हिन्दी के उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा भी किया था। प्रथमतः महाविद्यालय के प्राचार्य ने वक्ता का स्वागत परिचय कराया था। आभार प्रस्ताव विझिटिंग प्राध्यापिका डॉ. कोकिला खांट ने पेश किया था।



हिन्दी विभाग सभी सेमेस्टर के छात्रों ने हिन्दी के मशहूर कवि व लेखकों व साहित्यकारों को लेकर अपने- अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये हैं, जिनमें हिन्दी नाट्य साहित्य के मशहूर नाटक लेखक मोहन राकेशको लेकर तृतीय वर्ष बी.ए. की छात्रा तावियाड दक्षा ने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया तो तृतीय वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 5 की छात्राएँ डामोर शीतल और खांट दिव्या ने विज्ञान का आधुनिक आविष्कार रेडियो पर प्रोजेक्ट पेश किया था। द्वितीय वर्ष बी.ए. सेमेस्टर- 1 की छात्रा मकवाणा रोशनी ने राष्ट्रीय कवि के रूप में आधुनिक हिन्दी साहित्य मशहूर कवि मैथिलीशरण गुप्त को लेकर शानदार प्रोजेक्ट पेश किया तो द्वितीय वर्ष बी. ए. सेमेस्टर- 3 की छात्रा भाभोर अंजली ने भक्तिकाल की निर्गुण शाखा के प्रवर्तक कवि कबीरदास को लेकर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया है, जो क्रणशः निम्नांकित है-

रेडियो



नाम :- अविनाश कुमार

मित्र :- अविनाश कुमार

दिनांक :- 2011-22

→ रेडियो का आविष्कार मारकोनी

→ किया था।

→ गुनिगों के फ्रीक्वेंसी रेडियो डिजिटल

→ शीक 1918 में अमेरिकी में

→ शुरू हो

→ 13 फरवरी को दिन वर्क रेडियो

→ के रूप में अनाया नावा है,

→ क्योंकि 13 फरवरी, अर्थात् 1946

→ में ही युनाइटेड नेशंस सैमिनार

→ गुनिगों प्रसारण की गई थी।

→ पहले रेडियो प्रसारण को

→ अमेरिका में 24 दिसंबर 1906

→ अमेरिकी प्रसारण के अमेरिकी

→ अमेरिकी रेडियो ने की थी।

भारत में रेडियो की शुरुआत अर्थात् 1924 में अमेरिकी प्रसारण के अमेरिकी रेडियो को

अर्थात् 1927 में रेडियो डिजिटल प्रसारण का काम किया

था, एकोक एफ में अर्थात् प्रसारण के चर्चा इस बारे

कर दिया गया था।

अर्थात् 1928 में रेडियो के शुरू हो प्रसारण के शुरू

में अमेरिकी प्रसारण के अमेरिकी रेडियो ने अमेरिकी

प्रसारण के अमेरिकी रेडियो ने अमेरिकी रेडियो ने

अर्थात् 1928 में रेडियो के शुरू हो प्रसारण के शुरू

में अमेरिकी प्रसारण के अमेरिकी रेडियो ने अमेरिकी

प्रसारण के अमेरिकी रेडियो ने अमेरिकी रेडियो ने



कबीरदास परिचय

जन्म	—	समवत १४५५ ई०
जन्म स्थान	—	काशी
पत्नी	—	नई
पुत्र	—	कमाल
पुत्री	—	कमाली
गुरु	—	स्वामी रामानन्द
काल	—	भक्तिकाल
खिताब	—	बीजक (साफी, सबद)
मृत्यु	—	संवत् १५७५
मृत्यु स्थान	—	माहर

पाहनपूजै हरि मिले, तो मै पूजू पहरा।
ताने यह चाकी भली, पीस बाए संसार॥

अर्थ:- कबीर करते हैं कि पन्थ पूजने से यदि इंसान मिलना है तो मै पहाड़ पूज लूँगा। इससे तो पन्थ की एककी ही अच्छी जिसमें पीसा गया अन्न लोभी के पेट भरने के काम आता है।

२०२१-२२

संत कबीर दास

भाभोर अंजली भार, रोलन-१६३

